<u>मा0 राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 सरकार की गरिमामयी उपस्थिति एवं अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में प्रदेश के चिहिन्त 17नॉन अटेन्मेन्ट नगरों मेंपर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त धनराशि के उपयोग एवं अन्य संबंधित विषयों पर दिनांक 31.01.2023 को मध्यान्ह 12:00 बजे बोर्ड मुख्यालय के सभाकक्ष में हाइब्रिड मोड में सम्पन्न एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग कमेटी (ए0क्यू0एम0सी0) की बैठक का कार्यवृत्त।</u>

"राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम" के अन्तर्गत प्रदेश के 17 नॉन अटेन्मेंट नगरों में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार से वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्राप्त धनराशि का वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु उपयोग एवं मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 मे मिलियन प्लस नगरों एवं अन्य नॉन–अटेन्मेन्ट नगरों हेतु परफार्मेन्स के आधार पर कुल स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष अवमुक्त होने वाली धनराशि के सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में दिनांक 31.01.2023 को मध्यान्ह 12:00 बजे बोर्ड मुख्यालय के सभाकक्ष में हाइब्रिड मोड में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग कमेटी (ए0क्यू0एम0सी0) की बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक मा0 राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 सरकार की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुयी। बैठक मे सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

बैठक में समस्त नॉन अटेन्मेंट नगरों के नगर आयुक्त/अधिशाषी अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अन्य विभागो के संबंधित अधिकारियों द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया गया। उक्त के अतिरिक्त बैठक के दौरान शासन स्तर के नगर विकास विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन तथा उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सम्बन्धित अधिकारी भी उपस्थित थे। (उपस्थिति पत्र संलग्न)।

2– सर्वप्रथम सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा बैठक में भौतिक एवं वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग करने वाले समस्त अधिकारियों का स्वागत करते हुए अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन की अनुमति से बैठक प्रारम्भ की गयी। बैठक के दौरान सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सभी नॉन–अटेन्मेन्ट नगरों की वायुगुणता आधारित एवं वित्तीय वर्ष 2022–23 मे स्थानीय नगर निकायो को अवमुक्त की गयी धनराशि के उपयोग की परफार्मेन्स रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी तथा सम्बन्धित नगरों की वायुगुणता सुधार एवं वित्तीय वर्ष 2023–24 में कुल स्वीकृत धनराशि एवं उसके परफार्मेन्स के आधार पर अवमुक्त किये जाने हेतु विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया।

3– सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रदेश के 07 मिलियन प्लस नगरों की केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित गाईडलाइन्स के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2021–22 एवं 2022–23 मे माह अप्रैल से दिसम्बर तक नगरों की वायुगुणता आधारित परफार्मेन्स (पी0एम0–10 एवं ए0क्यू0आई0 गुड डेज) का तुलनात्मक विवरण का प्रस्तुतीकरण किया गया। उक्त प्रस्तुतीकरण के अन्तर्गत सम्बन्धित मिलियन प्लस नगरों के पी0एम0–10 मे प्रतिशत सुधार एवं गुड डेज मे प्रतिशत बढोत्तरी का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा पूर्व वर्ष के आधार पर आगामी वर्ष हेतु निर्धारित टारगेट के सापेक्ष वांछित गुड डेज के सम्बन्ध मे नगरवार अवगत कराया गया। नगरवार विवरण निम्नवत् है

1– **गाजियाबाद** – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गाजियाबाद नगर की वायुगुणता के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि पूर्व वर्ष की तुलना मे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्धारित गाईडलाइन के अनुसार वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 की वायुगुणता मे आपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हुआ है। अतः वित्तीय वर्ष 2023–24 मे स्वीकृत धनराशि की प्राप्ति हेतु आगामी 02 माह में और अधिक प्रयास किये जाने आवश्यक हैं।

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर निगम गाजियाबाद से जानकारी चाही गयी कि कोई अप्रभावी कार्ययोजना तो नहीं बनायी गयी है, जिससे वायुगुणता सुधार के अपेक्षित परिणाम नहीं प्राप्त हो पा रहे है तथा पूर्व वर्ष में किन गतिविधियो मे धनराशि का उपयोग किया गया है? तत्क्रम मे अपर नगर आयुक्त, गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि नगर निगम द्वारा वृक्षारोपण, एन्टी स्मॉग गन के क्रय, सड़कों की मरम्मत एवं फुटपाथ/सड़कों के किनारे खाली स्थलों पर घास लगवाने का कार्य किया गया है। अपर नगर आयुक्त, गाजियाबाद द्वारा औद्योगिक क्षेत्र के अन्तर्गत सड़कों को गढ्ढा मुक्त किये जाने का कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है, जिस वजह से वायु प्रदूषण हो रहा है।

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर निगम, गाजियाबाद को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु लागू कार्ययोजना के कार्य बिन्दुओ को प्राथमिकता के अनुसार कार्य किये जाने का सुझाव दिया गया।

सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गाजियाबाद नगर की वायुगुणता को कुप्रभावित करने वाले हॉट–स्पॉट को भी प्रस्तुतीकरण के दौरान दिखाया गया एवं अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा उन हॉट–स्पॉट पर तत्काल सुनियोजित कार्ययोजना के तहत युद्ध स्तर पर कार्य किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही– नगर निगम, गाजियाबाद/उ0प्र0
प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, गाजियाबाद)

2– लखनऊ – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लखनऊ नगर की तुलनात्मक वायुगुणता के सम्बन्ध मे अवगत कराया गया कि वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 मे पीएम–10 की मात्रा मे वृद्धि हुयी है तथा गुड डेज की संख्या मे कमी आयी है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्धारित गाईडलाइन के अनुसार वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 की वायुगुणता मे आपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हुआ है। अतः वित्तीय वर्ष–2023–24 मे स्वीकृत धनराशि को प्राप्त किया जाना अत्यन्त कठिन होगा।

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अवगत कराया गया कि लखनऊ को स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के अन्तर्गत भुवनेश्वर, उड़ीसा मे आयोजित समारोह मे पुरस्कृत किया गया है, परन्तु वर्तमान मे लखनऊ नगर की वायुगुणता नियंत्रण हेतु किये जा रहे कार्य संतोषजनक नहीं है। तालकटोरा एवं लालबाग मे वायु प्रदूषण मे वृद्धि हुयी है तथा नगर मे गारवेज बर्निंग की भी समस्या है।

अपर नगर आयुक्त, लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया कि नगर में निर्माण कार्य बहुतायत से किये जा रहे है, जिनकी समय–सीमा मार्च–2023 निर्धारित है। नगर मे वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु 60 टैन्कर एवं एन्टी स्मॉग गन लगाये गये है। दिनांक 07.02.2023 तक निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के उपरान्त वायुगुणता मे सुधार आयेगा।

सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नगर में नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा कूड़ा जलाये जाने की समस्या के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया। तत्क्रम मे अपर नगर आयुक्त, लखनऊ द्वारा बताया गया कि कूड़ा जलाये जाने इत्यादि की निगरानी हेतु ए0पी0ए0जी0 के माध्यम से कैमरे लगाये जाने का कार्य किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर निगम, लखनऊ द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु किये जा रहे कार्यों पर असंतोष प्रकट किया गया तथा बेहतर प्रयास किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम, लखनऊ/उ0प्र0 प्रदूषण
नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ)

3– कानपुर – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कानपुर नगर की तुलनात्मक वायुगुणता के सुधार के सम्बन्ध मे अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर के मध्य वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा मे कमी तथा गुड डेज की संख्या मे वृद्धि हुयी है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्धारित गाईडलाइन के अनुसार वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 की वायुगुणता मे अपेक्षित सुधार हुआ है। अतः वित्तीय वर्ष 2023–24 मे स्वीकृत धनराशि को शत प्रतिशत प्राप्त किये जाने हेतु निरंतर प्रयास किये जाने होगें। तत्क्रम मे पर्यावरण अभियन्ता नगर निगम, कानपुर द्वारा नियमित रूप से वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया गया। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कानपुर नगर मे वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया।

अपर मुख्य सचिव एवं सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर निगम, कानपुर को निरंतर प्रयास किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम, कानपुर/उ0प्र0 प्रदूषण
नियंत्रण बोर्ड, कानपुर)

4– आगरा – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आगरा नगर की तुलनात्मक वायुगुणता के सुधार के सम्बन्ध मे अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर के मध्य वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा मे कमी तथा गुड डेज की संख्या मे वृद्धि हुयी है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्धारित गाईडलाइन के अनुसार वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 की वायुगुणता में अपेक्षित सुधार हुआ है। अतः वित्तीय वर्ष–2023–24 में स्वीकृत धनराशि को शत प्रतिशत प्राप्त किये जाने हेतु निरंतर प्रयास किये जाने होगें। तत्क्रम में पर्यावरण अभियन्ता नगर निगम, आगरा द्वारा अवगत कराया गया कि नगर निगम, आगरा द्वारा नियमित रूप से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आगरा के समन्वय से वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु कार्यवाही की जा रही है। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कानपुर नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया।

अपर मुख्य सचिव एवं सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर निगम, आगरा द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आगरा के समन्वय से वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु किये जा रहे निरंतर प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया गया तथा जिलाधिकारी, नगर आयुक्त एवं अन्य सम्बन्धित विभागों द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु किये जा रहे संयुक्त प्रयासों की सराहना की गयी।

(कार्यवाही – नगर निगम, आगरा/उ0प्र0 प्रदूषण
नियंत्रण बोर्ड, आगरा)

5– मेरठ – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा मेरठ नगर की तुलनात्मक वायुगुणता के सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर के मध्य वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 मे पीएम–10 की मात्रा में कमी तथा गुड डेज की संख्या में वृद्धि हुयी है, परन्तु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्धारित गाईडलाइन के अनुसार वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 की वायुगुणता में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। अतः वित्तीय वर्ष–2023–24 में स्वीकृत धनराशि को मेरठ नगर निगम द्वारा प्राप्त किया जाना सम्भव प्रतीत नहीं होता है। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कानपुर नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया। मेरठ नगर निगम के प्रतिनिधि भी बैठक में उपस्थित नहीं थे।

अपर मुख्य सचिव एवं सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा मेरठ नगर में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु किये जा रहे प्रयासों पर अप्रसन्नता जाहिर की तथा भविष्य में और अधिक प्रयास किये जाने के निर्देश भी दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम, मेरठ /उ0प्र0
प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मेरठ)

6– प्रयागराज – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रयागराज नगर की तुलनात्मक वायुगुणता के सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर के मध्य वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी आयी है, परन्तु गुड डेज (ए0क्यू0आई0 200 से कम) की संख्या में वृद्धि नहीं हुयी है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्धारित गाईडलाइन के अनुसार वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 की वायुगुणता में पी0एम0–10 के सापेक्ष ही अपेक्षित सुधार हुआ है। अतः वित्तीय वर्ष–2023–24 में स्वीकृत धनराशि को शत प्रतिशत प्राप्त किये जाने हेतु निरंतर प्रयास किये जाने होंगे। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रयागराज नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया।

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा नगर निगम प्रयागराज द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु किये जा रहे निरंतर प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया गया साथ ही वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु और अधिक प्रयास किये जाने के निर्देश भी दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम, प्रयागराज/उ0प्र0 प्रदूषण
नियंत्रण बोर्ड, प्रयागराज)

7– वाराणसी – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा वाराणसी नगर की तुलनात्मक वायुगुणता के सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर की समयावधि में वर्ष 2021–22 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी तथा गुडडेज की संख्या में निरन्तर वृद्धि हुयी है, जोकि आंशिक है। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्धारित गाईडलाइन के अनुसार पूर्व वर्ष की अपेक्षा वर्तमान वर्ष में पी0एम0–10 की मात्रा में 15 प्रतिशत की कमी एवं गुड डेज की संख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि किये जाने पर सम्बन्धित नगर को शत प्रतिशत धनराशि अवमुक्त किया जाना प्राविधानित है। अतः वित्तीय वर्ष–2023–24 में स्वीकृत शत प्रतिशत धनराशि को वाराणसी नगर निगम द्वारा प्राप्त किया जाना सम्भव प्रतीत नहीं होता है। वाराणसी नगर निगम द्वारा आगामी फरवरी एवं मार्च माह में अथक प्रयासो से निर्धारित कटौती के उपरान्त धनराशि प्राप्त हो सकेगी। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कानपुर नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया। नगर निगम, वाराणसी से उपस्थित प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि वाराणसी नगर में जी–20 सम्मेलन की तैयारियो हेतु वृहद पैमाने पर चल रहे निर्माण कार्यों के कारण वायु प्रदूषण नियंत्रण में अपेक्षित परिणाम नहीं आ पाये है।

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा वाराणसी नगर में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु और अधिक प्रयास किये जाने के निर्देश भी दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम, वाराणसी/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण
बोर्ड, वाराणसी)

उपरोक्तानुसार प्रदेश के 07 मिलियन प्लस नगरों के परफार्मेन्स असेस्मेन्ट की प्रस्तुतिकरण के उपरान्त सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अन्य 10 नॉन–अटेन्मेन्ट नगरों के सम्बन्ध में प्रस्तुतिकरण किया गया। विवरण निम्नवत् है–

8– मुरादाबाद – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा मुरादाबाद नगर के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता के आधार पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर

की समयावधि में वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी आयी है जो कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वित्तीय वर्ष–2023–24 हेतु फन्ड आवंटन हेतु गाईडलाइन के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अन्तर्गत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आगामी वर्ष हेतु धनराशि के निर्गत किये जाने हेतु पूर्व निर्गत धनराशि के 75 प्रतिशत उपयोग को आधार माना गया है। मुरादाबाद नगर निगम द्वारा अभी तक नगण्य रूप से धनराशि का उपयोग किया गया है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक पूर्ण धनराशि का उपयोग न हो पाने की दशा में मुरादाबाद नगर निगम को कोई भी धनराशि उपलब्ध नहीं हो पायेगी। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा मुरादाबाद नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया।

अपर नगर आयुक्त मुरादाबाद द्वारा तत्क्रम मे अवगत कराया गया कि कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है तथा निविदा प्रक्रिया करते हुए 31 मार्च तक कार्य पूर्ण करा लिये जायेंगे।

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु सार्थक प्रयास किये जाने एवं मुरादाबाद नगर निगम को तत्काल कार्यवाही करते हुए पूर्ण धनराशि का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित किये जाने के निर्देश भी दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम, मुरादाबाद/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुरादाबाद)

9– बरेली – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा बरेली नगर के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष–2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता के आधार पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध मे अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर की समयावधि में वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी आयी है जो कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वित्तीय वर्ष–2023–24 हेतु फन्ड आवंटन हेतु गाईडलाइन के अनुरूप है। बरेली नगर निगम द्वारा अभी तक धनराशि का उपयोग नहीं किया गया है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक पूर्ण धनराशि का उपयोग न हो पाने की दशा में बरेली नगर निगम को कोई भी धनराशि उपलब्ध नहीं हो पायेगी। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा मुरादाबाद नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत चिन्हित हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराते हुए बोर्ड एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के समन्वय स्थापित कर वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु निर्देशित किया गया।

नगर आयुक्त बरेली द्वारा तत्क्रम में अवगत कराया गया कि नगर निगम द्वारा सिटी इम्पलीमेन्टेशन प्लान बनाया गया है तथा जिलाधिकारी, बरेली द्वारा दिनांक 27.01.2023 को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। निविदा होने वाली है, शीघ्र ही कार्य प्रारम्भ कर दिये जायेंगे।

मा0 राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 द्वारा बरेली नगर निगम को तत्काल कार्यवाही करते हुए पूर्ण धनराशि का उपयोग किये जाने के कड़े निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम, बरेली/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बरेली)

10– गोरखपुर – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गोरखपुर नगर के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष–2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता के आधार पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर

की समयावधि में वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी आयी है जो कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु फण्ड आवंटन हेतु गाईडलाइन के अनुरूप है। गोरखपुर नगर निगम द्वारा अभी तक धनराशि का कोई भी उपयोग नहीं किया गया है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक पूर्ण धनराशि का उपयोग न हो पाने की दशा में गोरखपुर नगर निगम को कोई भी धनराशि उपलब्ध नहीं हो पायेगी। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गोरखपुर नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया। मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, गोरखपुर द्वारा तत्क्रम में अवगत कराया गया कि जल निगम द्वारा खुदायी का कार्य किया गया है तथा जल निगम को नोटिस प्रेषित किया गया है।

मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, गोरखपुर द्वारा तत्क्रम में अवगत कराया गया कि नगर निगम द्वारा PRANA पोर्टल पर अपलोड किया गया। सिटी एक्शन प्लान केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली द्वारा अस्वीकार कर दिया गया है, जिसे पुनः अपलोड कराया जा रहा है। गोरखपुर नगर निगम द्वारा फन्ड कन्वर्जन्स से वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु कार्य कराये जा रहे है। निविदा होने वाली है, शीघ्र ही कार्य प्रारम्भ कर दिये जायेंगे।

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अवगत कराया गया कि गोरखपुर नगर में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु बेहतर काम कार्य किये गये है तथा गोरखपुर नगर निगम को इस हेतु प्रतिफल धनराशि भी प्राप्त हुयी है।

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु पूर्व की तरह कार्य करते रहने एवं धनराशि के उपयोग में तेजी लाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम, गोरखपुर/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, गोरखपुर)

11– रायबरेली – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा रायबरेली के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष–2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता के आधार पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर की समयावधि में वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी आयी है जो कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वित्तीय वर्ष–2023–24 हेतु फण्ड आवंटन हेतु गाईडलाइन के अनुरूप है। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा व्यय धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं धनराशि किन गतिविधियों के अन्तर्गत व्यय की गयी है, के सम्बन्ध में जानकारी चाही गयी। तत्क्रम में अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, रायबरेली द्वारा अवगत कराया गया कि विगत वर्ष अवमुक्त धनराशि का उपयोग कर लिया गया है तथा वित्तीय वर्ष 2022–23 में अवमुक्त धनराशि का उपयोग नगर में सड़कों की मरम्मत, मैकेनाइज्ड स्वीपर, वाटर स्प्रिंकलर एवं एण्ड–टू–एण्ड पेविंग इत्यादि हेतु निविदा का कार्य प्रगति पर है। रायबरेली नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अवशेष धनराशि के शीघ्र उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही – नगर पालिका परिषद, रायबरेली/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, रायबरेली)

12– फिरोजाबाद – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फिरोज़ाबाद नगर के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष–2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता आधारित पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर की समयावधि में वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी आयी

है जो कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वित्तीय वर्ष–2023–24 हेतु फण्ड आवंटन हेतु गाईडलाइन के अनुरूप है। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा व्यय धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं धनराशि किन गतिविधियों के अन्तर्गत व्यय की गयी है, के सम्बन्ध में जानकारी चाही गयी। तत्क्रम में नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोज़ाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि अवमुक्त धनराशि के उपयोग हेतु तैयार की गयी कार्ययोजना को जिलाधिकारी, फिरोज़ाबाद द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। प्रस्तावित गतिविधियों यथा मियावाकी वृक्षारोपड़, सड़क मरम्मत, वाटर स्प्रिंकलर एवं सुपर सक्शन मशीन इत्यादि हेतु निविदायें कर दी गयी है। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फिरोज़ाबाद नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अवशेष धनराशि के शीघ्र उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही – नगर पालिका परिषद, फिरोज़ाबाद/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, फिरोज़ाबाद)

13– **झांसी** – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा झांसी नगर के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष–2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता के आधार पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर की समयावधि मे वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में बढ़ोत्तरी हुयी है। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा असंतोष व्यक्त करते हुए पी0एम0–10 की मात्रा में हुयी बढ़ोत्तरी हेतु समस्त संबंधित विभागों को उत्तरदायी बताया गया। तत्क्रम में नगर स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम, झांसी द्वारा स्टोन क्रशर से जनित धूल को वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण बताया गया, प्रत्युत्तर में क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, झांसी द्वारा अवगत कराया गया कि स्टोन क्रशर नगर की सीमा से लगभग 07 कि0मी0 दूरी पर स्थापित है। अतः इनका नगर की वायुगुणता पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा ''राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम'' के अन्तर्गत अवमुक्त धनराशि एवं कनवर्जेन्श के माध्यम से अन्य योजनाओं में उपलब्ध धनराशि से स्वीपिंग मशीन क्रय किये जाने का सुझाव दिया गया।

सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा झांसी नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया तथा क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, झांसी को बिजौली औद्योगिक क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों को संबंधित विभाग के साथ समन्वय कर मरम्मत कराने तथा औद्योगिक क्षेत्र की अन्य सड़कों को साफ कराये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही – नगर निगम, झांसी/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, झांसी)

14– **खुर्जा** – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा खुर्जा नगर के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष–2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता के आधार पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर की समयावधि में वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी पायी गयी है, परन्तु केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वित्तीय वर्ष–2023–24 हेतु फण्ड आवंटन हेतु गाईडलाइन के अनुरूप नहीं है। सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अवगत कराया गया कि खुर्जा नगर में मात्र रोड डस्ट की समस्या है, जिसे नाइट स्वीपिंग एवं रोड वाशिंग द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है। तत्क्रम में सफाई निरीक्षक, नगर पालिका परिषद, खुर्जा द्वारा अवगत कराया गया कि रोड स्वीपर का संचालन किया जा रहा है तथा

वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु अथक प्रयास निरन्तर किये जा रहे है। ''राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम'' के अन्तर्गत उपलब्ध धनराशि का 31 मार्च 2023 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जाएगा।

सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा खुर्जा नगर मे वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे मे अवगत कराया गया।

(कार्यवाही – नगर पालिका परिषद, खुर्जा/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बुलन्दशहर)

15– अनपरा – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनपरा नगर के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष–2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता के आधार पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर की समयावधि मे वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी पायी गयी है, परन्तु केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वित्तीय वर्ष–2023–24 हेतु फण्ड आवंटन हेतु गाईडलाइन के अनुरूप नहीं है।

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा अवगत कराया गया कि अनपरा में आयोजित पर्यावरणीय सेमिनार में मा0 मंत्री महोदय के साथ प्रतिभाग किये जाने के दौरान पाया गया कि सड़कों के किनारे अत्यधिक मात्रा में धूल पड़ी हुयी थी।

सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनपरा नगर मे वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया तथा तत्काल रोड डस्ट को उठाये जाने, नियमित रूप से रोड स्वीपिंग कराये जाने के साथ–साथ उपलब्ध धनराशि को उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही– नगर पंचायत, अनपरा/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सोनभद्र)

16– गजरौला – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गजरौला नगर के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष–2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता के आधार पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर की समयावधि में वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी पायी गयी है, जोकि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वित्तीय वर्ष–2023–24 हेतु फण्ड आवंटन हेतु गाईडलाइन के अनुरूप है।

सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गजरौला नगर की वायुगुणता के सम्बन्ध में अवगत कराते हुएनगर को अवमुक्त धनराशि के उपयोग सम्बन्धी जानकारी चाही गयी। तत्क्रम में अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, गजरौला द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन 05 घण्टे मैकेनिकल स्ट्रीट स्वीपर का संचालन किया जा रहा है तथा ''राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम'' के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के उपयोग हेतु कार्ययोजना बनी है तथा माह–फरवरी,2023 के अन्त तक धनराशि का पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नगर मे वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे मे अवगत कराया गया उपलब्ध धनराशि को उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही– नगर पालिका परिषद, गजरौला/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बिजनौर)

17– नोएडा – सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नोएडा नगर के पी0एम0–10 का अप्रैल से दिसम्बर तक आधार वर्ष–2019–20 के सापेक्ष वर्ष–2022–23 का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वायुगुणता के आधार पर परफार्मेन्स फैक्टर को दर्शाया गया। वायुगुणता सुधार के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि माह अप्रैल से दिसम्बर की समयावधि में वर्ष 2019–21 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में पीएम–10 की मात्रा में कमी पायी गयी है, परन्तु केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वित्तीय वर्ष–2023–24 हेतु फण्ड आवंटन हेतु गाईडलाइन के अनुरूप नहीं है।

सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा द्वारा अवगत कराया गया कि नोएडा नगर में ग्रेप के प्राविधानों के अन्तर्गत बी0एस0–3 एवं बी0एस0–4 वाहनों के प्रवर्तन की कार्यवाही नहीं हो रही है, जिसमें तेजी लाये जाने की आवश्यकता है।

सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नगर में वायु प्रदूषण के दृष्टिगत हॉट–स्पॉट के बारे में अवगत कराया गया उपलब्ध धनराशि को उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही– नगर पालिका परिषद, गजरौला/उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बिजनौर)

4– मा0 राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 द्वारा ए0क्यू0एम0सी0 में उपस्थित प्रतिनिधियो को सम्बोधित करते हुए वायुगुणता सुधार हेतु निम्नानुसार निर्देश दिये गये :

- नियमित रूप से वॉटर स्प्रिन्कलर का उपयोग किया जाये।
- निर्माणाधीन स्थलो पर मिट्टी अथवा अन्य निर्माण सामग्री को ढ़क कर रखे।
- वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु केन्द्र सरकार द्वारा उपलब्ध धनराशि का आवश्यक रूप से समयान्तर्गत एवं अनुमोदित कार्य योजना के अनुरूप उपयोग करें तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रेषित करना सुनिश्चित करें।
- नगर की वायुगुणता को सही रखे।

5– अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा बैठक के अन्त में समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को बैठक के दौरान लिये गये निर्णयों का समयबद्ध रूप से अनुपालन सुनिश्चित किये जाने तथा 15 फरवरी तक किये गये कार्यों की पुनः समीक्षा किये जाने के निर्देश दिये गये।

अन्त में बैठक धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुई।

(मनोज सिंह)
अपर मुख्य सचिव।

उत्तर प्रदेश शासन
संख्या–215/81–7–2023–09(रिट)/2016
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग–7
लखनऊ : दिनांक : 22 फरवरी, 2023

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1– अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन/सिंचाई एवं जल संसाधन/ लोक निर्माण/गृह/परिवहन/अवस्थापन एवं औद्योगिक विकास/कृषि/उद्यान विभाग, उ0प्र0 शासन।

2– आयुक्त,खाद्य एवं आपूर्ति, उ0प्र0 लखनऊ।

3– प्रधान मुख्य वन संरक्षण और विभागाध्यक्ष,उ0प्र0 लखनऊ।

4– मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यूपीसीडा, उ0प्र0 कानपुर।

5– मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नोएडा/ग्रेटर अथारिटी।

6– निदेशक, पर्यावरण, उ0प्र0, लखनऊ।

7– डा0 सच्चिदानन्द त्रिपाठी, प्रोफेसर, आई0आई0टी0, कानपुर।

8– क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,आंचलिक कार्यालय नार्थ जोन, लखनऊ।

9– सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ।

10– क्षेत्रीय अधिकारी, ईस्ट एण्ड वेस्ट, एन0एच0आइ0, लखनऊ।

11– पुलिस अधीक्षक/पुलिस उपायुक्त, यातायात,लखनऊ, कानपुर नगर, आगरा, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा/ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्व नगर), खुर्जा (बुलन्दशहर), मेरठ, बिजनौर (गजरौला), फिरोजाबाद, मुजफ्फरनगर, अनपरा (सोनभद्र), झांसी, मुरादाबाद रायबरेली, गोरखपुर एवं बरेली।

12– संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी (सदस्य संयोजक, जिला पर्यावरण समिति)/नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी/एवं क्षेत्रीय अधिकार,उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ, कानपुर नगर, आगरा, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा/ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्व नगर), खुर्जा (बुलन्दशहर), मेरठ, बिजनौर (गजरौला), फिरोजाबाद, मुजफ्फरनगर,अनपरा (सोनभद्र), झांसी, मुरादाबाद रायबरेली, गोरखपुर एवं बरेली।

13– सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन),लखनऊ, कानपुर नगर, आगरा, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा/ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्व नगर), खुर्जा (बुलन्दशहर), मेरठ, बिजनौर (गजरौला), फिरोजाबाद, मुजफ्फरनगर,अनपरा (सोनभद्र), झांसी, मुरादाबाद रायबरेली, गोरखपुर एवं बरेली।

14– गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(घनश्याम मिश्र)
विशेष सचिव।

Uttar Pradesh Pollution Control Board

Attendance Sheet for AQMC meeting dated 31.01.2023

S.N.	Name	Designation	Mobile No.	E-mail	Sign
1.	Sarvanand Singh Yadav	S.P.(T)	9454400346	sarvanandsinghyadav67@gmail.com	
2	Jai Vir Singh	J.S.	9454418195 Industry Department		
3	Indra Pal Singh	DYSP Traffic Raebareli	7800666195		
4.	Samiksha Pandey	OSD-Police Road Safety	9452710674		
5.	Savita Shukla	Asst. director Local body directorate	9454998997	Savitavidhu2010@gmail.com	
6-	Abhay Kumar	Spl. Secretary P.W.D	9454412850		
7	Sankatha Prasad	Under Secretary Horticulture	9454413440		
8-	DR. Sarvesh Kumar	Joint Director Horticulture	9451061789		
9-	Ajit Singh	G.M. (Tech.) UPSRTC	9415049719	gmt5@upsrtc.com	
10-	Madan Mohan	J.S. Transport Deptt	9454411230		

Uttar Pradesh Pollution Control Board

Attendance Sheet for AQMC meeting dated 31.01.2023

S.N.	Name	Designation	Mobile No.	E-mail	Sign
11	Ajay Kumar Yadav	R.T.O. (Enforcement)	8009968999		[signature]
12.	Akhand Pratap Singh	Special Secretary Home	08859335347		[signature]
13.	Jitendra Kr. Verma.	SAE-EE	8909121015		[signature]
14	VIJAY SINGH	SSO(E3) PWD	9415507931		[signature]
15	Dinesh chandra Misra	A.R.O (Food & civil sup)	9125522387		[signature]
16	Amit PRANAV	JA. See. Irrigation	9811324651		[signature]
17.	Dr. RAM KARAN	CEO-S, HO	7839891041		[signature]